

चिठी आई रे झुंझनू से म्हारी दादी की

चिठी आई रे झुंझनू से म्हारी दादी की
चिठी आई रे...चिठी आई रे...
दादी की जी म्हारी मइया की...
चिठी आई रे...चिठी आई रे...

जोग लिखी झुंझनू से भक्तो
माँ को आशीष बचियो रे
याद सतावे म्हारे टाबर की
चिठी आई रे...चिठी आई रे...
चिठी आई रे झुंझनू से म्हारी दादी की
चिठी आई रे...चिठी आई रे...

कुशल मंगल मै हूँ झुंझनू में
थारो हाल बता द्यो जी
बेधड़ के बोल्यो बात्यां थारे मन की
चिठी आई रे...चिठी आई रे...
चिठी आई रे झुंझनू से म्हारी दादी की
चिठी आई रे...चिठी आई रे...

कितना ही दिन बीत्यां रे लाला
मिलबा ने मन तरसै रे
घड़ी रे घड़ी म्हाने आवे हिचकी
चिठी आई रे...चिठी आई रे...
चिठी आई रे झुंझनू से म्हारी दादी की
चिठी आई रे...चिठी आई रे...

भूल से गर तू भूल भी जावै
पण म्हे थाने ना भूळूँ
राखूं खबर तेरी पल पल की
चिठी आई रे...चिठी आई रे...
चिठी आई रे झुंझनू से म्हारी दादी की
चिठी आई रे...चिठी आई रे...

चिठी आई रे झुंझनू से म्हारी दादी की
चिठी आई रे...चिठी आई रे...
दादी की जी म्हारी मइया की...
चिठी आई रे...चिठी आई रे...

संपर्क - 09831258090

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1065/title/chitthi-aayi-re-jhunjhnu-se-mhari-dadi-ki-with-lyrics-by-Saurabh-Madhukar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |